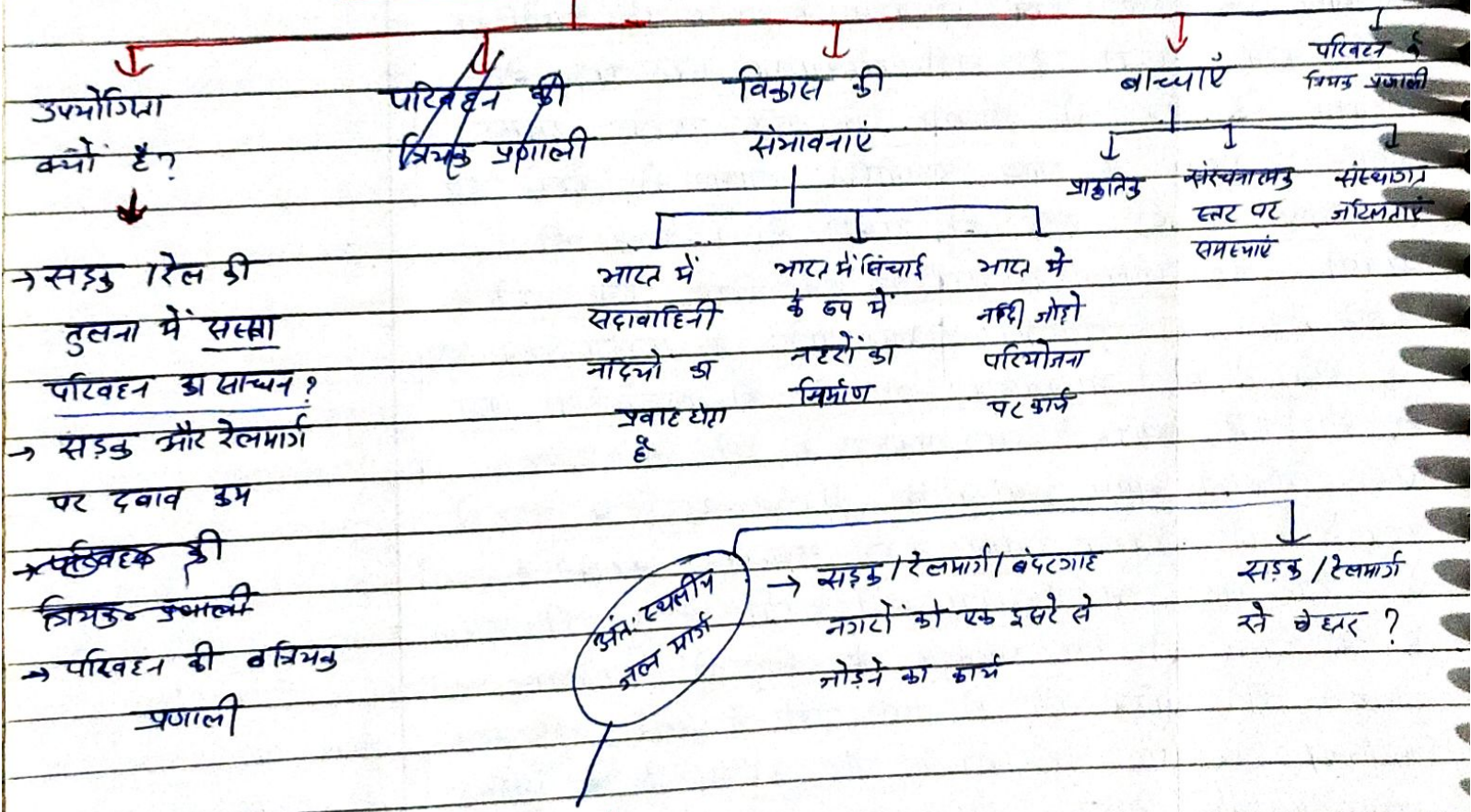


अंतर: स्थलीय जल मार्ग



→ सस्ता परिवहन के साधन क्यों?

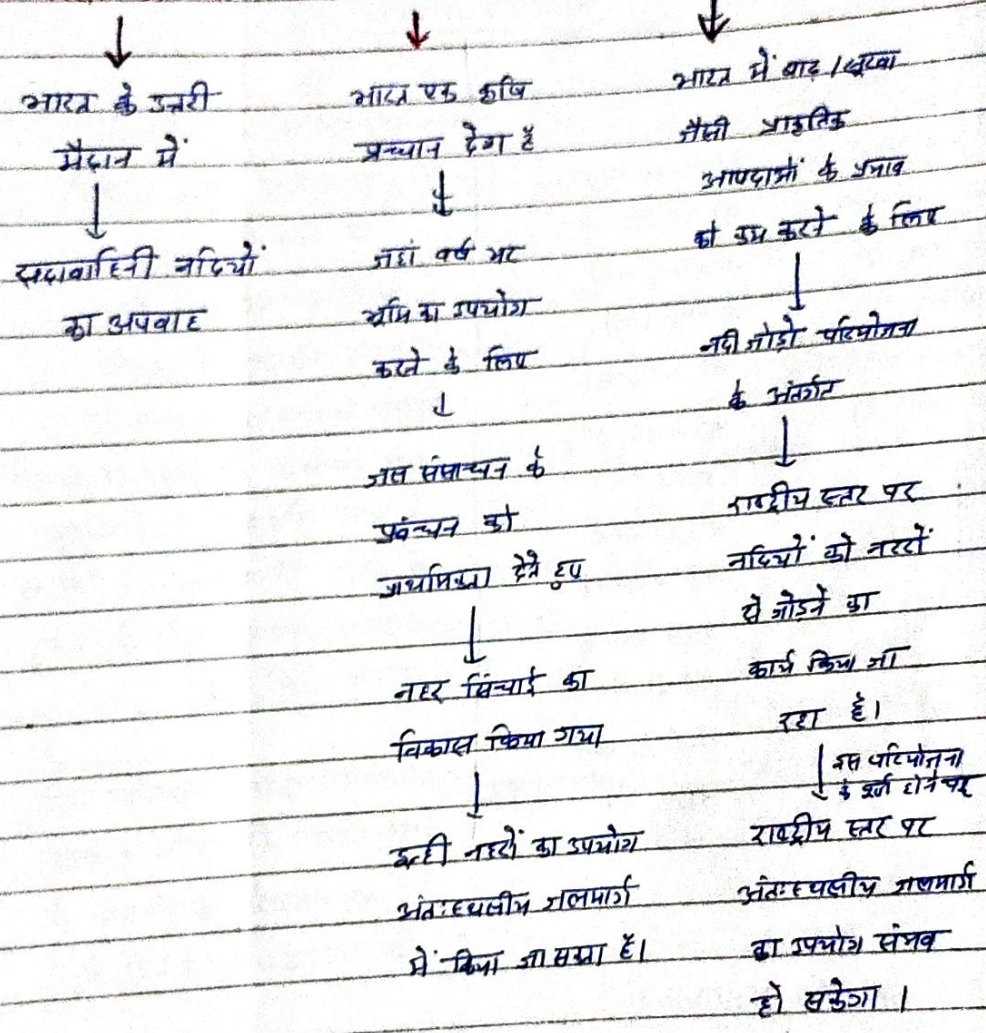
↓
 सड़क/रेलमार्ग के समान भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं।
 नहरों का डायम की आवश्यकता नहीं।
 बृहदारोपण में निवेश नहीं।
 जल के प्रवाह की दिशा में जलधानों के उपयोग से ईंधन में बचत

पर्यावरणीय समस्या

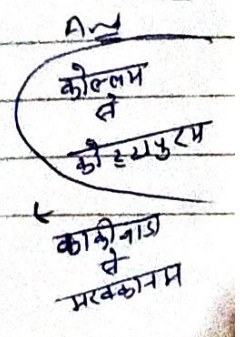
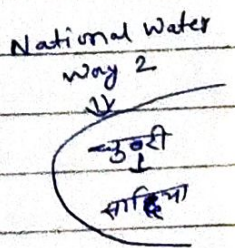
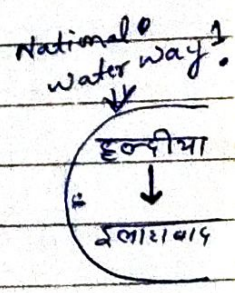
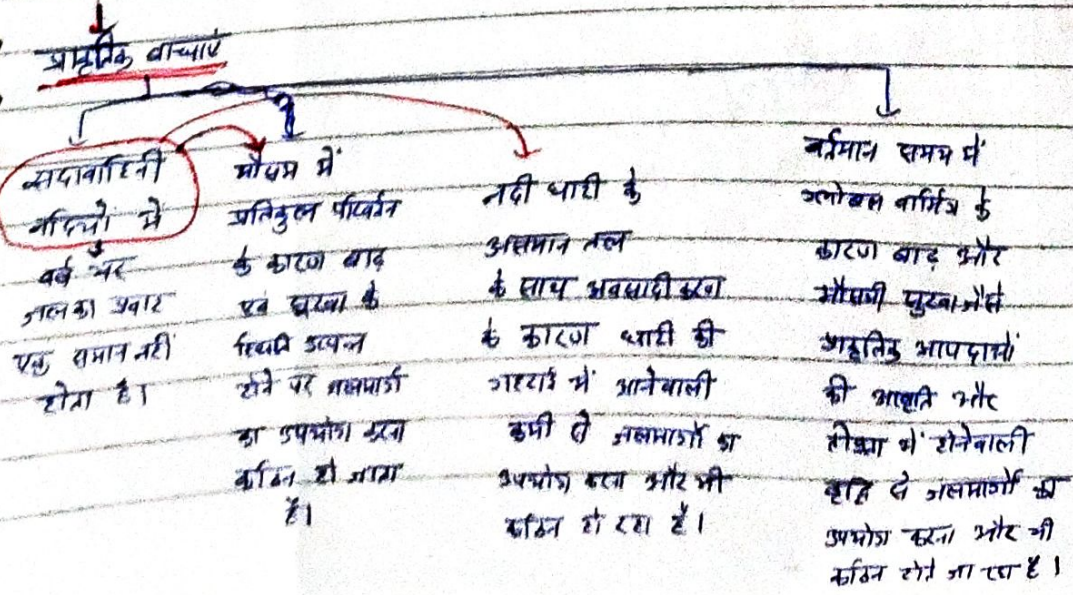
→ एक बेहतर विकल्प क्यों है?
 → आर्बिड एवं पर्यावरण की दृष्टि से एक बेहतर विकल्प?

प्रबंधन
 आन्वयित
 प्रदर्शास्त्र को
 महत्व
 जलीय
 कृषि
 कुकुर
 नी

→ भारत में अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के विकास की संभावनाएं :



→ अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के विकास में बाधाएं :



संरचनात्मक स्तर पर समस्याएं

संस्थागत जटिलताएं

पुरानी तकनीकों पर प्राचीन जलमार्गों का उपयोग फिर जाने के कारण हम डूरी तक कठे में भी प्रवेश कर चुके हैं।

नदियों पर बांधों बंधारों का प्रभाव है या बंधारों पर मौलिक आन्ध्र सुविधाओं का प्रभाव है।

ट्रेफिक एवम्बु का नियंत्रण संयोजित करने के लिए अभी भी आन्ध्र सुविधाओं का प्रभाव है वहाँ कोई स्पष्ट नीति नहीं है जिसके कारण दुर्घटना होने की संभावनाएं बनी रहती हैं।

→ अंतर-स्थलीय जलमार्गों में विकास के लिए स्पष्ट नीतियों का प्रभाव

→ जलमार्गों के विकास के लिए परिवहन मंत्रालय को शारी विकास मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय से संबंधित विभागों के साथ योजनाओं के निर्धारण से लेकर क्रियान्वयन के स्तर तक समन्वय स्थापित करने में कई बाधाएं आती हैं।

→ अंतरराज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय नदी जल विवादों की समस्या के अलावा भी जलमार्गों के विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

परिवहन की त्रिचक्रीय प्रणाली

